वर्ष :: 33 अंक : 49
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक
/mithilavarnan

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो :: रविवार, 03 सितंबर, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

चरम पर आरोप-प्रत्यारोप, वार-पलटवार

डुमरी उपचुनाव को ले चढ़ा सियासी तापमान, बोले बाबूलाल- हेमंत की हिम्मत के बूते राज्य में बेखौफ हैं अपराधी और भ्रष्टाचार हावी

संवाददाता
बोकारो/बोकारो थर्मल : डुमरी विधानसभा उपचुनाव को लेकर इन दिनों पूरे जिले में सियासी तापमान चरम पर पहुंच चुका है। पक्ष और विपक्ष के आला नेताओं की जहां जोर-शोर से चुनावी सभाएं हो रही हैं, वहीं जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक के नेता व कार्यकर्ता गांव-गांव में जनसंपर्क अभियान चलाने में लगे हैं। चुनावी सभाओं के जरिए एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप और वार-पलटवार का सिलसिला परवान चढ़ चुका है। इसी कड़ी में नावाडीह प्रखंड अंतर्गत ऊपरघाट स्थित कंजकिरो में बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन सह- चुनावी सभा में भाजपा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि डुमरी विधानसभा क्षेत्र का उपचुनाव इस राज्य की दशा-दिशा बदलेगी। अभी राज्य में आतंक एवं भय का माहौल है और राज्य की जनता अपने आपको पूरी तरह से असुरक्षित महसूस कर रही है। अपराध और भ्रष्टाचार का बोलबाला है। अपराधी बेखौफ होकर अपराध कर रहे हैं, जिससे आम जनता एवं व्यापारी डरे और सहमे हुए हैं। राज्य में वाट्सएप के जरिए से व्यापारियों से फिरौती की मांग की जा रही है।

उन्होंने कहा- राज्य में हेमंत की हिम्मत पर ही अपराधी बेखौफ होकर अपराध करने की हिम्मत कर रहे हैं। कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है और राज्य के अधिकारी पूरी तरह से भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं। राज्य की सरकार ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण देने का कार्य कर रही है और उन्हें बचाने को लेकर दिल्ली से महंगे-महंगे वकीलों को बुलाकर उनके मुकदमे लड़ रही है। खुद सीएम ईडी के भय से दिल्ली सुप्रीम कोर्ट की दौड़ लगा रहे हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि राज्य में चले रहे परिवारवाद की ही तरह डुमरी में भी परिवारवाद को बढ़ावा देने का काम किया जा रहा है। उन्होंने डुमरी विधानसभा क्षेत्र से भय एवं आतंक (शेष पेज- 7 पर)

इधर, भाजपा पर बरसे मुख्यमंत्री, कहा- पूंजीपतियों के हाथों अपना वोट बेच रही भाजपा

आईएनडीआईए की प्रत्याशी बेबी देवी के समर्थन में नावाडीह प्रखंड के डेगागढ़ा में आयोजित चुनावी में सीएम हेमंत केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीति ऐसी है कि देश की एक-एक जनता के हाथ में कटोरा थमा कर सड़क पर उतार देगी। इसे रोकने के लिए ही हमलोगों ने इंडिया गठबंधन बनाया है, जो ऐसी ताकत को राज्य तथा केंद्र से खदेड़ने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि विरोधी येन-केन-प्रकारेण राजनीतिक ताकत नहीं जुटा पाते हैं, तो सरकारी तंत्रों का दुरुपयोग करते हैं। उन्हें ध्यान रखना होगा कि यह वीरों का देश है। इनके षड्यंत्र के खिलाफ आवाज उठेगी, जिससे पूंजीपतियों व षड्यंत्रकारियों को पीछे हटना पड़ेगा। विरोधी पैसे के दम पर ही चुनाव लड़ते हैं। अभी इनका पैसा पकड़ा जा रहा है। ये लोग पैसे से वोट खरीदते हैं और उस वोट को ही पूंजीपतियों के हाथों बेच देते हैं। इन पूंजीपतियों और षड्यंत्रकारियों को जड़ से उखाड़ फेंकने का काम करेंगे। मौके पर मंत्री बन्ना गुप्ता व सत्यानंद भोक्ता, मंत्री दर्जा प्राप्त योगेंद्र प्रसाद महतो, बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह, टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, हजारीबाग के पूर्व सांसद भुवनेश्वर महतो, रामगढ़ की पूर्व विधायक ममता देवी आदि ने भी अपने विचार रखे।

हेमंत सरकार ने गरीब व बेरोजगारों को छला : मुंडा

बोकारो : केन्द्रीय जनजातीय कल्याण मंत्री एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि डुमरी विधानसभा उपचुनाव झारखंड की अस्मिता से जुड़ा है। बोकारो में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने झारखंड सरकार के भ्रष्टाचार में डूबे होने का आरोप लगाया। कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने गरीब और बेरोजगारों को छलने का काम किया है। राज्य में विधि-व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई है। उन्होंने कहा कि डुमरी की जनता इस विकास विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए उनके विरुद्ध मतदान करेगी। क्योंकि, चुनावी घोषणाओं को धरातल पर उतारने में अब तक हेमंत सरकार विफल रही है। श्री मुंडा ने एक देश एक चुनाव को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि 1969 तक देश में एक साथ चुनाव हो चुके हैं। मौके पर बोकारो के विधायक बिरंची नारायण, भाजपा जिला महामंत्री संजय त्यागी, जिला उपाध्यक्ष कमलेश राय, शशि भूषण ओझा मुकुल, आरती राणा, इंद्र कुमार झा, माथुर मंडल, महेंद्र राय, के के बोराल, अनिल सिंह आदि मौजूद थे।

राष्ट्रहित उपराष्ट्रपति ने की चौथे युद्धपोत की लांचिंग, समुद्री सुरक्षा में मील का पत्थर, स्वदेशी पी-17ए के सातवें जहाज में लगा है सेल का स्टील

देश की रक्षा-क्षमता को फौलादी बना रहा सेल

कार्यालय संवाददाता
नई दिल्ली/बोकारो : भारत के सबसे बड़े इस्पात उत्पादकों में से एक स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) देश की रक्षा और सामरिक ताकतों को लगातार मजबूती प्रदान कर रहा है। इसी कड़ी में सेल ने एक बार फिर भारत की रक्षा क्षमताओं में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए भारतीय नौसेना की स्वदेशी पी- 17ए परियोजना के तहत सातवें फ्रिगेट जहाज के निर्माण के लिए लगभग 4000 टन की विशेष स्टील प्लेटों की पूरी मात्रा की आपूर्ति की है। इस सातवें फ्रिगेट जहाज का लॉन्च, मैसर्स मझगांव डॉक लिमिटेड द्वारा निर्मित चौथे युद्धपोत की लांचिंग देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा की गई। यह लॉन्च देश की समुद्री सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया जा रहा है।

'विंध्यगिरि' में भी लगा है सेल का इस्पात

सेल पी- 17ए युद्धपोतों के विकास में एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में उभरा है, जो भारत के रक्षा स्वदेशीकरण को आगे बढ़ाने में कंपनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस युद्धपोत में स्टील की आपूर्ति करने के अलावा भी सेल की भूमिका रही है। कंपनी ने हाल ही में भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा लॉन्च किए गए विंध्यगिरि नामक छठे युद्धपोत के निर्माण के लिए भी समान मात्रा में विशेष स्टील की आपूर्ति की थी।

28 हजार टन स्टील का योगदान : पी17ए परियोजना के तहत मेसर्स मझगांव डॉक लिमिटेड द्वारा कुल चार जहाजों और मेसर्स जीआरएसई द्वारा तीन जहाजों का निर्माण शामिल है। मझगांव डॉक लिमिटेड द्वारा तीन जहाजों का लांच सितंबर 2019 और सितंबर 2022 के बीच हुआ, जबकि मेसर्स जीआरएसई ने दिसंबर 2020 और अगस्त 2023 के बीच तीन जहाजों को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इन जहाजों के लिए स्टील आपूर्ति के मामले में सेल का योगदान लगभग 28,000 टन है, जो विशेष उपयोग के लिए उच्च-स्तरीय स्टील उत्पादों की आपूर्ति करने की कंपनी की क्षमताओं को रेखांकित करता है।

रक्षा परियोजनाओं में सहभागिता का समृद्ध इतिहास

भारत के रक्षा क्षेत्र को समर्थन देने के अपने समृद्ध इतिहास में, सेल ने न केवल पी17ए परियोजना के लिए स्टील की आपूर्ति की है, बल्कि विमान वाहक आईएनएस विक्रांत, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस सूरत जैसे युद्धपोतों और आर्टिलरी बंदूक धनुष सहित विभिन्न रक्षा परियोजनाओं के लिए स्टील प्रदान करने में भी अभिन्न भूमिका निभाई है।

– संपादकीय –

सत्ता हथियाने और बचाने का खेल

राजनीति में कोई स्थाई दोस्त या दुश्मन नहीं होता है। यहां तक कि राजनीतिक दलों के तयशुदा सिद्धान्तों को भी ताक पर रखने से हमारे देश के नेता कोई परहेज नहीं रखते। सत्ता हथियाने और बचाने के लिए तरह-तरह के खेल खेले जाते रहे हैं। हाल के दिनों में अपने यहां कुछ ऐसा ही देखा जा रहा है। केन्द्र की सत्ता से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बेदखल करने के लिए विपक्षी दलों ने 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इन्डिया) नाम से नया गठबंधन बनाया है। इस गठबंधन के नेताओं की तीसरी दो-दिवसीय बैठक महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में खत्म होने से ठीक पहले केन्द्र सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की घोषणा कर विपक्षी खेमे में खलबली मचा दी। केन्द्र की ओर से कहा गया कि यह सत्र 18 से 22 सितंबर तक चलेगा। इस सत्र में पांच बैठकें होंगी, जिसमें मोदी सरकार 'एक देश-एक चुनाव' पर विधेयक लेकर आ सकती है। केन्द्र सरकार ने 'एक देश एक चुनाव' को लागू करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति भी बना दी। केन्द्र की ओर से यह कवायद ऐसे समय में शुरू हुई है, जब मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। दिसम्बर 2024 तक आम चुनाव सहित 12 राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। हालांकि, 'एक देश एक चुनाव' का फॉर्मूला लागू करने में बहुत सारी चुनौतियां सामने होंगी। लेकिन, कहते हैं कि 'मोदी है तो सब कुछ मुमकिन है।' अब केन्द्र का यह फॉर्मूला धरातल पर कब और कैसे उतरेगा, यह तो कहना फिलहाल कठिन है। परन्तु विपक्षी दलों के सामने प्रधानमंत्री मोदी ने एक बड़ा खेल तो खेल ही दिया है। यहां दूसरा बड़ा सवाल यह है कि आखिर विपक्ष का इंडिया गठबंधन कितना एकजुट रहेगा? 28 पार्टी के 63 नेताओं को मुंबई मंथन से क्या हासिल हुआ? दरअसल, इस गठबंधन के नेताओं ने मोदी को सत्ता से हटाने के लिए 2024 का लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ने का संकल्प लिया। इसमें कहा यह गया कि सीट-बंटवारे की व्यवस्था जल्द से जल्द 'गिव एंड टेक' की भावना से पूरी की जाएगी। इससे लेन-देन पर आधारित इंडिया गठबंधन की राजनीतिक सोच भी साफ हो गई। हालांकि अभी तक यह तय नहीं हो पाया है कि किसको कितनी सीटें मिलेंगी और विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री का चेहरा कौन होगा? इस बैठक के बाद लालू यादव ने कहा कि हम एक-दूसरे से लड़कर सत्ता से बाहर हुए हैं, इसलिए अब हम आपस में नहीं लड़ेंगे। जबकि, राहुल गांधी का कहना है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया देश की 60 प्रतिशत जनता का प्रतिनिधित्व करता है। यह गठबंधन 2024 में नरेंद्र मोदी सरकार को आसानी से हरा देगा। बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार ने कहा कि हम लोग बस अभी से लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर देंगे। जगह-जगह जाकर प्रचार चालू कर देंगे। लेकिन, आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने तो इंडिया गठबंधन को देश की 140 करोड़ जनता का गठबंधन बता दिया। अब लेन-देन पर आधारित विपक्ष का यह कुनबा कब तक साथ रह पाएगा, यह कहना तो फिलहाल कठिन है, लेकिन मुंबई के हयात होटल में दो दिन चली बैठक में शामिल इंडिया गठबंधन के नेता 18 से 22 सितम्बर के बीच बुलाए गए संसद के विशेष सत्र से न सिर्फ हैरान और स्तब्ध थे, बल्कि भयभीत अधिक लग रहे थे। क्योंकि, मोदी को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए जुटे इन नेताओं में अपनी-अपनी राज्य सरकारों को बचाने को लेकर बेचैनी दिख रही थी। फिर भी ये सभी अपनी मित्रता दिखाने की कोशिश करते हुए एक-दूसरे से गलबहियां कर रहे थे। जबकि, सच्चाई यही है कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस का ही सूपड़ा साफ किया, जदयू और राजद भी आपस में लड़े हैं, टीएमसी और माकपा एक-दूसरे से इतनी शत्रुता रखते हैं कि जमीनी स्तर पर दोनों ने एक-दूसरे के कार्यकर्ताओं को मारा है। इन पर परस्पर हत्या करवाने के आरोप हैं। ऐसी स्थिति में यह कैसे माना जा सकता है कि ये लोग देश की 60 फीसदी जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं? लोकसभा का चुनाव आते-आते विपक्ष का यह कुनबा एक साथ रह पाएगा, इसमें काफी संदेह है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

शिक्षक समाज के शिल्पकार

05 सितंबर- शिक्षक दिवस पर विशेष

गोविंद दोउ खड़े काके लागू पाय।
बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताय।

कबीरदास द्वारा लिखी गई ये पंक्तियां जीवन में गुरु के महत्त्व को वर्णित करने के लिए काफी हैं। भारत में प्राचीन समय से ही गुरु व शिक्षक परंपरा चली आ रही है। गुरुओं की महिमा का वृत्तांत ग्रंथों में भी मिलता है। जीवन में माता-पिता का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता, क्योंकि वे ही हमें इस रंगीन खूबसूरत दुनिया में लाते हैं। उनका ऋण हम किसी भी रूप में उतार नहीं सकते, लेकिन जिस समाज में रहना है, उसके योग्य हमें केवल शिक्षक ही बनाते हैं। शिक्षक का समाज में आदरणीय व सम्माननीय स्थान है। भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस और उनकी स्मृति के उपलक्ष्य में हमारे देश में 5 सितम्बर को मनाया जाने वाला शिक्षक दिवस शिक्षक समुदाय के मान-सम्मान को बढ़ाता है तथा गुरु/शिक्षक की महत्ता बताने वाला प्रमुख दिवस है। इसे शिक्षकों के प्रति सम्मान का महापर्व कहा जाय तो कोई अतिशयोक्ति होगी।

यद्यपि परिवार को बच्चे के प्रारंभिक विद्यालय का दर्जा दिया जाता है, लेकिन जीने का असली सलीका उसे शिक्षक ही सिखाता है। समाज के शिल्पकार कहे जाने वाले शिक्षकों का महत्त्व यहीं समाप्त नहीं होता, क्योंकि वह न केवल विद्यार्थी को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं, बल्कि उसके सफल जीवन की नींव भी उन्हीं के हाथों द्वारा रखी जाती है। गुरु, शिक्षक, आचार्य, अध्यापक या टीचर ये सभी शब्द एक ऐसे व्यक्ति को व्याख्यातित करते हैं, जो सभी को ज्ञान देता है, सिखाता है। शिक्षक दिवस का मतलब साल में एक दिन अपने शिक्षक को भेंट में दिया गया एक गुलाब का फूल या कोई भी उपहार नहीं है और यह शिक्षक दिवस मनाने का सही तरीका भी नहीं है। वस्तुतः शिक्षक के प्रति सम्मान व उनके उपकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक उत्सव है।

आदर-सम्मान जरूरी

यदि शिक्षक दिवस का सही महत्त्व समझना है तो सर्वप्रथम हमेशा इस बात को ध्यान में रखें कि आप एक छात्र हैं और उम्र में अपने शिक्षक से काफी छोटे हैं। और, फिर हमारे संस्कार भी तो यही सिखाते हैं कि हमें अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए। अपने गुरु का आदर-सत्कार करना चाहिए। हमें अपने गुरु की बात को ध्यान से सुनना और समझना चाहिए। अगर अपने क्रोध, ईर्ष्या को त्यागकर अपने अंदर संयम के बीज बोएं तो निश्चित ही हमारा व्यवहार हमें बहुत ऊंचाइयों तक ले जाएगा और तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाने का महत्त्व भी सार्थक होगा।

माली रूपी शिक्षक

शिक्षक उस माली के समान है, जो एक बगीचे को भिन्न-भिन्न रूप-रंग के फूलों से सजाता है, जो छात्रों को कांटों पर भी मुस्कुराकर चलने को प्रोत्साहित करता है। उन्हें जीने की वजह समझाता है। शिक्षक के लिए सभी छात्र समान होते हैं और वह सभी का कल्याण चाहता है। शिक्षक ही वह धुरी होता है, जो विद्यार्थी को सही-गलत व अच्छे-बुरे की पहचान करवाते हुए बच्चों की अंतर्निहित शक्तियों को विकसित करने की पृष्ठभूमि तैयार करता है। वह प्रेरणा की फुहारों से बालक रूपी मन को सींचकर उनकी नींव को मजबूत करता है तथा उसके सर्वांगीण विकास के लिए उनका मार्ग प्रशस्त करता है। किताबी ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों व संस्कार रूपी शिक्षा के माध्यम से एक गुरु ही शिष्य में अच्छे चरित्र का निर्माण करता है। एक ऐसी परंपरा हमारी संस्कृति में थी, इसलिए कहा गया है कि- गुरु ब्रह्मा, गुरुर्विष्णु गुरुदेवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात परब्रह्म तस्मैः श्री गुरुवेः नमः। कई ऋषि-मुनियों ने अपने गुरुओं से तपस्या की शिक्षा को पाकर जीवन को सार्थक बनाया। एकलव्य ने द्रोणाचार्य को अपना मानस गुरु मानकर उनकी प्रतिमा को अपने सक्षम रख धनुर्विद्या सीखी। यह उदाहरण प्रत्येक शिष्य के लिए प्रेरणादायक है।

आज खतरे में गुरु-शिष्य परंपरा : गुरु-शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति का एक अहम और पवित्र हिस्सा है, जिसके कई स्वर्णिम उदाहरण इतिहास में दर्ज हैं। लेकिन वर्तमान समय में कई ऐसे लोग भी हैं, जो अपने अनैतिक कारनामों और लालची स्वभाव के कारण इस परंपरा पर गहरा आघात कर रहे हैं। शिक्षा जिसे अब एक व्यापार समझकर बेचा जाने लगा है, किसी भी बच्चे का एक मौलिक अधिकार है, लेकिन अपने लालच को शांत करने के लिए आज अधिकतर शिक्षक अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। इतना ही नहीं, वर्तमान हालात तो इससे भी बदतर हो गए हैं, क्योंकि शिक्षा की आड़ में कई शिक्षक अपने छात्रों का शारीरिक और मानसिक शोषण करने को अपना अधिकार ही मान बैठे हैं। हालांकि, कुछ ऐसे गुरु भी हैं, जिन्होंने हमेशा समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। उनसे प्रेरित होकर उक्त परंपरा को जीवित बनाये रखना अनिवार्य है, तभी शिक्षक के प्रति जो सम्मानजनक विचार है, वह सदैव कायम रह सकेगा तथा विकसित हो सकेगा। तभी शिक्षक दिवस मनाने की सार्थकता भी रह सकेगी।

– प्रस्तुति : रूपक झा

मैथिली साहित्य की अनुपम कृति- 'समकालीन मैथिली लेखक कोश'

कोरोनाकाल ने नुकसान तो बहुत पहुंचाया, लेकिन कुछ वरदान भी दिए। उनमें से एक वरदान था ऑनलाइन कविगोष्ठी/ संगोष्ठी आदि की शुरुआत, जिसमें देश-विदेश के साहित्यकार आसानी से उपलब्ध हो जाते थे। इसी कोरोनाकाल ने मैथिली के लिए एक बहुत बड़ा उपकार यह किया कि बिहार के सुपौल जिलान्तर्गत गणपतगंज निवासी यशस्वी विद्वान डॉ. रवीन्द्र कुमार चौधरी लॉकडाउन की अनिवार्यता के कारण कुछ बड़ा काम घर बैठे करने के लिए कटिबद्ध हुए और वह काम कर दिखाया, जिसे कोई सपने में भी नहीं देख सकता था। डॉ चौधरी ने तब एबीएम कालेज, जमशेदपुर में पदास्थापित रहते हुए मैथिली के समस्त साहित्यकारों का कोश तैयार करने का निर्णय किया। यह अपने में बहुत जटिल और बहुत श्रमसाध्य कार्य था। इस कोश को जीवित मैथिली साहित्यकारों तक ही सीमित रखा गया। तब भी कोश 440 पृष्ठों का हो गया। अगर वे प्रारंभ से ज्योतिरीश्वर ठाकुर ('वर्ण रत्नाकर' के रचयिता) से शुरू करते तो यह कई खंडों में चला जाता।

डॉ रवीन्द्र कुमार चौधरी सम्प्रति, झारखंड के घाटशिला कॉलेज, घाटशिला में प्राचार्य हैं, ने अपनी 'समकालीन मैथिली लेखक कोश' में वह कार्य कर दिखाया, जो मैथिली भाषा के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी।

इस पुस्तक में चौधरी जी ने समकालीन मैथिली साहित्यकारों का बहुत ही विस्तृत विवरण तैयार किया है। वयोवृद्ध से लेकर नवीनतम लेखक तक का विवरण हैं। इसमें प्रत्येक लेखक का नाम (मूल और उपनाम) पिता का नाम, जन्मतिथि, शिक्षा, वृत्ति, जाति (ऐच्छिक), स्थायी पता (पैतृक), पत्राचार का पता, व्हाट्सएप नंबर, ईमेल, साहित्यिक उपलब्धि में (क) प्रकाशित मैथिली की पहली रचना का नाम और वर्ष, (ख) प्रकाशित मैथिली पुस्तक का नाम, मैथिली सेवा के लिए प्राप्त सम्मान/ पुरस्कार- इन सारी बिंदुओं को समेकित किया गया है, जिससे प्रत्येक लेखक का सम्यक परिचय और संपर्क सूत्र पाठकों को मिल जाए। मुझे नहीं लगता कि किसी भी भाषा में इस प्रकार का अद्यतन कोश तैयार हुआ है, जिसे पाठकों और लेखकों के बीच संपर्क सूत्र के रूप में देखा जा सके। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें कोरोना काल तक प्रकट हुए सभी लेखक-लेखिकाओं को समेटा गया है। और उससे भी बड़ी बात यह कि पुस्तक में प्रूफ अशुद्धि नहीं के बराबर है।

पुस्तक का प्रकाशक नवारंभ, मधुबनी है, जो मैथिली पुस्तकों के प्रकाशन में अगुआ है। प्रथम संस्करण (2023) का मूल्य 500 रुपए है। इस पुस्तक के आने से पूरा मैथिली साहित्य सृजन हाथ में रखे आंवले की तरह, सुलभ हो गया है। एक अनिवार्य संदर्भ ग्रंथ के रूप में यह कोश मैथिली के अध्यापकों और छात्रों के लिए उपयोगी है ही, नेपाल, बिहार, झारखंड आदि के पुस्तकालयों के लिए भी आवश्यक ग्रंथ है।

– डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, देहरादून।
कवि-गीतकार एवं स्तंभकार
मो. - 9412992244

बोकारो के ऋषभ ने बनाया विक्रम का लैंडिंग सेंसर, तो बारू के नरेश ने एलवीएम -3 का किया था समायोजन

प्रतिभा... जिले के युवाओं ने चंद्रयान -3 मिशन की कामयाबी में निभाई है अहम भूमिका

सेवानिवृत्त शिक्षक का पुत्र है नरेश

इधर, जिले के जरीडीह प्रखंड अंतर्गत बारू ग्राम निवासी बीएसएल स्कूल के सेवानिवृत्त शिक्षक कृष्ण मुरारी महतो के मेधावी पुत्र नरेश ने चंद्रयान- 3 को प्रक्षेपित कर ले जानेवाले एलवीएम-3 एम-4 के समायोजन एवं परीक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह तिरुवनन्तपुरम में स्थित इसरो के प्रमुख केंद्र विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र के गुणवत्ता आश्वासन विभाग में पिछले 13 वर्षों से कार्यरत हैं। वह राकेट के यांत्रिक उप-प्रणालियों के समायोजन एवं परीक्षण के लिए उत्तरदायी है। आंध्र प्रदेश स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रमोचन स्थल पर रॉकेट के विभिन्न भागों का एकीकरण करके उन्हें प्रमोचन के लिए तैयार करने में भी इनकी अहम भूमिका होती है। बोकारो इस्पात विद्यालय- 2ए से दसवीं तथा बीआईएसएसएस से 12वीं की पढ़ाई पूरी करने वाले नरेश कुमार ने ने औद्योगिक अभियांत्रिक एवं प्रबंधन शाखा में टॉपर रहते हुए जेएसएसएटीई, बैंगलोर से बी.ई. की पढ़ाई पूरी की थी। इसके बाद कैंपस प्लेसमेंट के द्वारा महिंद्रा एण्ड महिंद्रा (ट्रैक्टर विभाग) में उन्होंने जॉइन किया। फिर कुछ महीने टाटा मोटर्स, पुणे में काम करके वर्ष 2009 मे इसने इसरो जॉइन की। इसरो मे काम करने के दौरान ही उन्होंने आईआईटी, खड़गपुर से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में एम.टेक. की पढ़ाई पूरी की।

संवाददाता

बोकारो : इस्पातनगरी बोकारो के प्रतिभावान युवाओं ने भी देश के सर्वप्रतिष्ठित अंतरिक्ष मिशनों में से एक चंद्रयान-3 की सफलता में अपनी महती भूमिका निभाई है। बोकारो स्टील प्लांट में बतौर सीनियर मैनेजर सुनील कुमार के होनहार पुत्र एवं डीपीएस बोकारो के 2014 बैच के छात्र रह चुके कुमार ऋषभ ने चंद्रयान 3 के विक्रम लैंडर के सेंसर को विकसित किया था। इसकी मदद से चंद्रयान-3 चांद की सतह पर उतर सका। इसमें एलपीडीसी और एलएचडीसी सेंसर लगाए गए हैं। ऋषभ की टीम ने चंद्रयान 2 के ऑरबिटर में लगे हाई रेजुलेशन कैमरे का भी निर्माण इनकी टीम ने किया था। इसी कैमरे से चंद्रयान थ्री की लैंडिंग के लिए बेहतर स्थान तलाश करने में इसरो के वैज्ञानिक कामयाब हुए। वर्तमान में ऋषभ इसरो के अहमदाबाद सेंटर में कार्यरत हैं। चंद्रयान-3 को लेकर अपने अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा कि वरिष्ठ वैज्ञानिकों की सलाह, उनके सहयोग और बेहतर समय प्रबंधन के तहत काम किया गया, तभी सफल लैंडिंग हो सकी। ऋषभ ने 2014 में 12वीं की पढ़ाई डीपीएस बोकारो से पूरी की थी। इसके बाद उनका आईआईटी में हुआ। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर वह इंडियन स्पेस टेक्नोलॉजी में चयनित हुए, जहां से इंजीनियरिंग फिजिक्स की पढ़ाई वर्ष 2018 में पूरी की। इसके बाद बाद कॉलेज प्रबंधन ने मास्टर डिग्री के लिए जर्मनी स्थित यूनिवर्सिटी स्टूटगार्ड में दाखिला कराया। वहां से पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने इसरों में बतौर ऑप्टिकल इंजीनियर के रूप में अपना करियर शुरू किया। वहां से इन्हें अहमदाबाद स्थित इसरो के अंतरिक्ष सेंटर में कार्य करने के लिए भेजा गया था। ऋषभ की आगे तमन्ना है कि वह अब मंगल और सूर्य में भारत की तकनीक को बुलंद करते हुए देश को विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा करने में अपना योगदान दे सकें। एक सवाल के जवाब में ऋषभ ने कहा कि अंतरिक्ष अनुसंधान के मामले में देश की स्थिति और भी मजबूत होनेवाली है। उसे बचपन से ही ब्रह्मांड का रहस्य जानने की इच्छा थी, जिसने उसे अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनने का सपना पूरा करने में मदद की।

'आदित्य' के प्रक्षेपण में में भी निभा रहे भूमिका

नरेश के पिता श्री महतो के अनुसार अबतक नरेश ने 40 पीएसएलवी, जीएसएलवी, 9 एलवीएम 3, समय 2 एसएसएलवी एवं कई अन्य रॉकेट निर्माण के कार्य में अपनी महती भूमिका निभाई है, जिनका उपयोग चंद्रयान-2, मंगलयान वन-वेब समेत कई अन्य उपग्रहों को उनकी कक्षा तक पहुंचाने के लिए किया गया।

वह सूर्य का अध्ययन करने वाले उपग्रह 'आदित्य' का प्रक्षेपण करने वाले रॉकेट पीएसएलवी सी-57 के एकीकरण और संबंधित प्रणालियों के एकीकरण में भी संलग्न रहे। इसके साथ साथ गगनयान के मानव रहित कर्मीदल मॉड्यूल के परीक्षण और इसका प्रक्षेपण करने वाले रॉकेट (परीक्षण यान डी-1) के कार्यों में शामिल हैं।

शिवशंकर ने भी कंधे से कंधा मिलाकर किया काम

जरीडीह प्रखंड में सुदूरवर्ती पहाड़ी तलहटी पर स्थित बेलडीह पंचायत के भुटकाटांड़ गांव के रहने वाले शिवशंकर बेसरा ने भी इसरो के चंद्रायन -3 मिशन में अपना योगदान देकर क्षेत्र सहित देश का नाम रोशन किया है। अपने पैतृक गांव में शिवशंकर बेसरा के अपनी बड़ी मां के श्राद्ध कार्यक्रम में आने की खबर पर जरीडीह प्रखंड प्रशासन व आदिवासी समाज ने जगह-जगह स्वागत किया। बेसरा ने बताया कि चंद्रयान 1, 2 एवं 3 में इसरो टीम के साथ कंधा से कंधा मिलाकर काम किया है।

गुड न्यूज बोकारो हवाई अड्डे से 300 यात्री कर सकेंगे आना-जाना, लगाए जा रहे 10 वॉच टावर

साकार होने की राह पर उड़ने की आशा

मौसम विभाग का होगा दफ्तर, पेड़ों की होगी छंटाई

एएआई के अफसरों ने बताया कि बोकारो एयरपोर्ट के अंदर मौसम विभाग का एक कार्यालय होगा, जो हमेशा मौसम के बारे में जानकारी देता रहेगा, ताकि उड़ान भरने या लैंडिंग करने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं हो। पेयजल के लिए 1000 मीटर का बोरवेल किया गया है। पानी के स्टोरेज के लिए दो टैंक लगाए गए हैं, जिसमें 1,20000 लीटर पानी स्टॉक रहेगा। इसके अलावा, एयरपोर्ट से सटे कोऑपरेटिव कॉलोनी, सेक्टर 12 और सेक्टर-2 के ऊंचे पेड़ों की छंटनी भी जल्द ही शुरू होगी। एयरपोर्ट में बिजली की व्यवस्था तीन तरफ से रहेगी। एक बीएसएल, दूसरा राज्य सरकार और तीसरा जेडा की ओर से सोलर लाइट पैनल लगाकर बिजली की व्यवस्था की जाएगी।

संवाददाता

बोकारो : बोकारो से व्यावसायिक हवाई उड़ान शुरू किए जाने की दिशा में एक और नया और महत्वपूर्ण आयाम जुड़ गया। जल्द ही बोकारो और आसपास के लोगों का यहां हवाई सफर करने का सपना पूरा होने की संभावना बलवती दिख रही है। डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) की टीम के जल्द बोकारो आने की संभावना को देखते हुए अब एयरपोर्ट अथॉरिटी ने भी हवाई अड्डा के बचे कामों को पूरा करने का काम जल्द से जल्द पूरा करने की कवायद शुरू हो गई है। शुक्रवार को कोलकाता एयरपोर्ट अथॉरिटी के पांच सदस्यीय टीम ने आकर स्थानीय अधिकारियों से बातचीत कर सभी कामों को त्वरित गति से पूरा करने का निर्देश दिया। टीम में एयरपोर्ट अथॉरिटी के सिविल इंजीनियर अशोक विश्वास, सिक्युरिटी इंजीनियर प्रफुल्ल सिंघा, एटीएम इंजीनियर सुबीर सरकार, डीजीएम धनंजय तिवारी, एजीएम ऑपरेशन मनोज प्रसाद सिंह शामिल थे।

कोलकाता से पहुंचे एयरपोर्ट अथॉरिटी की टीम के अधिकारियों ने टर्मिनल बिल्डिंग का निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ छोटे-छोटे जरूरी कार्यों को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया। 35 हजार स्क्वायर फीट पर बने टर्मिनल बिल्डिंग में एक साथ 300 यात्री आना-जाना कर सकेंगे। वहीं एक साथ 80 से 90 कार की पार्किंग की व्यवस्था की गई है। रनवे में डीवीओआर लाइट भी लगाई गई है, ताकि पायलट को लैंडिंग का लोकेशन का पता आसानी से चल सके। लैंडिंग से पहले पटाखे छोड़े जाने और साथ ही ड्रम भी बनाए जाने की व्यवस्था की जानकारी ली गई। झारखंड के स्पेशल ब्रांच की पुलिस एयरपोर्ट की सुरक्षा में लगी रहेगी। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि जल्द ही क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना के तहत बोकारो एयरपोर्ट को चालू किया जाए। एयरपोर्ट की सुरक्षा में झारखंड पुलिस के स्पेशल ब्रांच के 40 पुलिसकर्मी लगे रहेंगे।

एएआई टीम के निर्देश पर सर्वप्रथम दो प्लेन एक साथ पार्किंग किए जाने को लेकर जगह चिह्नित की गई। इसके बाद चहारदीवारी के किनारे 10 वॉच टावरों को लगाने का काम शुरू करवाया गया। उन सभी वॉच टावरों में 24 घंटे सुरक्षा कर्मी मौजूद रहेंगे। अग्नि सुरक्षा को लेकर भी चर्चा हुई। उसमें कहा गया कि एयरपोर्ट में अग्निशमन की दो गाड़ियां रहेगी, लेकिन उसमें 16 अग्निशमन स्टाफ की जगह से मात्र 10 ही स्टाफ की सूची दी गई है। उसके बाद अग्निशमन के डीजी अनिल पालटा से वहां मौजूद विधायक बिरंची नारायण ने बात की। उसके बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों की ओर से उन्हें मेल किया गया। डीजी पालटा ने आश्वासन दिया कि जल्द ही 16 अग्निशमन कर्मियों को वहां भेजने का काम किया जाएगा। विधायक नारायण ने कहा कि इस साल के अंत तक बोकारो वासियों के हवाई उड़ान सेवा का सपना जरूर पूरा होगा। हवाई अड्डा के 99% काम पूरा हो गया है।

रेल सुविधाओं में बेहतरी को ले आद्रा मंडल कटिबद्ध : डीआरएम

मंडलीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श समिति की बैठक, अच्छी यात्री सुविधाओं पर विचार-विमर्श

संवाददाता

बोकारो : रेलवे के आद्रा मंडल में मंडलीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श समिति की 114वीं बैठक मंडल रेल प्रबंधक सुमित नरूला की अध्यक्षता में मंडल सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में आद्रा मंडल के रेल प्रबंधक सुमित नरूला, अपर मंडल रेल प्रबंधक सुधांशु शर्मा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (समन्वय) विकास कुमार एवं मंडल के अन्य विभागों के अधिकारी तथा समिति के माननीय सदस्य, व्यापार और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित थे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (समन्वय) विकास कुमार ने बैठक का संचालन करते हुए इस समिति के उद्देश्य और विशेषताओं का उल्लेख किया।

समिति के सदस्यों द्वारा आद्रा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं तथा यात्रियों को होने वाली समस्याओं, जैसे- कोच संकेत बोर्ड की अनुपलब्धता, लिफ्ट, दिव्यांग के लिए व्हील चेयर की सुविधाएं एवं ट्रेनों के सही समय पर न चलने से संबंधित शिकायतें आदि के संबंध में मंडल रेल प्रबंधक को अवगत करवाया और यात्री सुविधाओं एवं रेल परिचालन को बेहतर बनाने संबंधित सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री नरूला ने समिति से सदस्यों द्वारा उठाये गए मुद्दों पर रेलवे के द्वारा उठाये गए कदमो के बारे में जानकारी दी और समिति सदस्यों को आश्वस्त किया कि यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने हेतु आद्रा मंडल प्रतिबद्ध है। बैठक के समापन में उपस्थित समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से देवेन्द्र कुमार सावरिया (प्रतिनिधि- बांकुड़ा चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इण्डस्ट्रीज) को क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श समिति हेतु अपना प्रतिनिधि मनोनीत किया।

कर्मियों की कर्तव्यनिष्ठता डीवीसी की उन्नति का कारण : सुनील पांडेय

संवाददाता

बोकारो : दामोदर घाटी निगम, चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में पदस्थापित 12 डीवीसी कर्मी सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्ति सह सम्मान कार्यक्रम में सभी कर्मियों को मुख्य महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान एवं अन्य अधिकारियों ने गुलदस्ता, पौधा और उपहार भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय ने कहा कि डीवीसी के ऐसे कर्मठ कर्मियों के कारण ही दामोदर घाटी निगम उन्नति की ओर अग्रसर है। उन्होंने सेवानिवृत कर्मियों के स्वस्थ और उज्जवल भविष्य की कामना की। कहा कि सेवानिवृत कर्मी जीवन के अंतिम समय तक डीवीसी के परिवार के सदस्य बने रहेंगे।

वरिष्ठ महाप्रबंधक रामप्रवेश शाह ने डीवीसी के पूर्व में प्लांट स्थापना और उत्पादन क्षमता और आज की पावर प्लांट स्थापना और उत्पादन क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने रिटायरमेंट के बाद कर्मियों को समाजोपयोगी कार्य करने का सुझाव दिया। मौके पर उपमहाप्रबंधक केके सिंह, मानवेंद्र प्रियदर्शी, राजीव रंजन, मनोज कुमार झा, दिलीप कुमार, दीपक कुमार, कंचन कुमारी, राजीव रंजन, लालमोहन पांडेय, उमेश कुमार शर्मा सेवानिवृत कर्मी परमेश्वर मांझी, लेडी महतो, महेश महतो, मंगरा महतो, शांति तंतु बाई, सुरेश महतो, किसुन महतो, विश्वनाथ महतो, शनिचर पंडित, भोला पंडित, बंसी महतो, गीता देवी आदि ने भी अपने विचार रखे। संचालन प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। एलपी गुप्ता,अजय कुमार सिंह आदि भी मौजूद थे।

अब नए दायित्व निभाने की चुनौती : एचओपी

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी पावर प्लांट तकनीकी भवन के सभागार में गुरुवार को समारोह आयोजित कर डीवीसी के दो अवकाश प्राप्त कर्मियों को एचओपी एन के चौधरी सहित अन्य अधिकारियों एवं इंजीनियरों ने भावभीनी विदाई दी। अवकाश प्राप्त करनेवाले कर्मियों में उप प्रबंधक विद्युत प्रवीण कुमार सिन्हा और सहायक नियंत्रक मैकेनिकल तरुण कुमार दास शामिल थे। मौके पर एचओपी ने कहा कि डीवीसी में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकेगा। कहा कि आज के बाद से उन पर नए दायित्वों एवं जिम्मेदारी को पूरा करने की चुनौती आएगी। मौके पर डीजीएम बीजी होलकर, शैलेंद्र कुमार, राजीव रंजन, प्रबंधक एचआर सुनील कुमार, अंजू बोइपोई, शाहिद इकराम सहित कई कर्मी, अधिकारी मौजूद थे।

बच्चों को गुड टच-बैड टच की जानकारी जरूरी : डॉ. प्रभाकर

गोमिया : गोमिया थानांतर्गत राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय बांध में बाल अधिकार सरंक्षण जागरूकता अभियान बच्चों संग विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों व कर्मियों की उपस्थिति में बाल अधिकार कार्यकर्ता सह मनोवैज्ञानिक डॉ प्रभाकर कुमार द्वारा चलाया गया। डॉ प्रभाकर ने बाल अधिकारों को परिभाषित करते हुए बतलाया कि बच्चों को 'गुड टच बैड टच' की अद्यतन जानकारी रहनी चाहिए, ताकि उन्हें सभी तरह के बाल यौन हिंसा जैसे कुकृत्यों से बचाया जा सके। गुड टच बच्चों को अच्छा महसूस करवाती है, वहीं बैड टच बच्चों को असहज बनाते हैं। 90% बच्चों के यौन एवं बाल शोषण परिचत लोगों के द्वारा की जाती है और 10 % बच्चे ही अजनबी लोगों के द्वारा बाल शोषण के शिकार होते हैं। विद्यालय प्रबंधन एवं अभिभावक इस पर ध्यान दें। बच्चे भी ऐसे मामले में चुप न रहें। इसमें आरोपी पर पांच से सात वर्ष तक की जेल और जुर्माना, दोनों का प्रावधान है। मौके पर प्रधानाध्यापक ब्रजबिहारी साव, शिक्षक मनोज कुमार सिंह, मनीष दयाल, ओमशंकर रजक, अनीता कुमारी, गणेश यादव, राखी कुमारी, प्रमोद कुमार, ऋषभ कुमार आदि मौजूद रहे।

निराशा बोकारो को अकालग्रस्त जिला घोषित कर राहत कार्य चलाने की मांग

पर्याप्त बारिश न होने से किसानों में मायूसी

संवाददाता

बोकारो : चास के फोरलेन-तेलीडीह मोड़ के समीप अवस्थित मानव सेवा समाज के कार्यालय में रैयत संघर्ष समिति की बैठक रैयत एवं अलग राज्य आन्दोलनकारी उमेश चन्द्र महतो की अध्यक्षता में हुई। संचालन समिति के उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता राजदेव माहथा ने किया। बैठक में किसान व रैयतों ने पर्याप्त बारिश नहीं होने पर मायूसी जताई तथा सुखाड़ क्षेत्र घोषित किए जाने को लेकर सरकार की बेरुखी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि गत दिनों झारखण्ड विधानसभा का मॉनसून-सत्र चला, लेकिन क्षेत्रीय विधायकों सहित पक्ष-विपक्ष के किसी भी जन-प्रतिनिधियों ने चास-चन्दनकियारी सहित सम्पूर्ण बोकारो जिला के सभी प्रखंडों में भयंकर सुखाड़ से त्रस्त किसानों के हित में सरकार के समक्ष आवाज नहीं उठाई, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि, सभी को जानकारी है कि पिछले साल से कम इस बार बारिश हुई है। पानी के अभाव में धान एवं खरीफ फसलों की रोपाई एवं बुआई नहीं हो सकी है। रोपाई एवं बुआई का समय बीत चुका है।

बैठक में सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के आलोक में मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को 13 सूत्री मांग पत्र दिया गया। इसमें चास-चन्दनकियारी सहित बोकारो जिला के सभी प्रखंडों को अकाल क्षेत्र घोषित कर युद्ध स्तर पर राहत योजना चलाई जाने, किसानों में खेती के लिए वैकल्पिक बीजों का निशुल्क वितरण, फसल बीमा की सुविधा सहित अन्य मांगें शामिल हैं। बैठक में मुख्य रूप से समिति के अध्यक्ष अजीत सिंह चौधरी, भूतनाथ माहथा, राकेश महतो, विदेशी महतो, संतोष कुमार सिंह, चक्रधर शर्मा, हाबुलाल गोराई, बिरंची माहथा, लाल मोहन शर्मा, हरिपद गोप, गुहीराम गोराई, शत्रुघ्न महतो, खगेन्द्र नाथ वर्मा, करमचांद गोप, मनीन्द्र नाथ महतो, नीलकंठ महतो, लालदेव गोप, गोलबाबू अंसारी आदि उपस्थित रहे।

हफ्ते की हलचल

कजरी और झूला गीतों के साथ दी सावन को विदाई

बोकारो : नगर के सेक्टर-3 बी स्थित वसुंधरा गली में सावन मिलन महोत्सव का आयोजन किया गया। गली की महिलाओं ने इसमें पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। हरी-हरी साड़ियों और सुसज्जित परिधानों में संवरकर अपने हाथों पर मेहंदी की सुंदर कलाकृतियां रचाकर वे पहुंचीं थीं। वसुंधरा परिवार की महिला सदस्यों द्वारा सावन गीत पर नृत्य प्रस्तुत किए गए तथा मेहंदी एवं सावन क्वीन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। सावन में गाए जाने वाले कजरी और झूला गीतों की धूम रही। महिलाएं इन गीतों पर जमकर थिरकीं और प्रसन्नता के साथ महोत्सव मनाकर सावन को विदाई दी। इस दौरान पिंकी सावन क्वीन चुनी गईं। जबकि, अन्य सभी प्रतिभागी महिलाओं को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में अनामिका रेणु, लक्ष्मी, अनिता, मोनी, मीना, रूपा, वीणा आदि मौजूद रहीं।

बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांध लिया रक्षा का वचन

बोकारो : भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को मजबूती प्रदान करने का महापर्व रक्षा बंधन इस्पातनगरी बोकारो तथा उपशहर चास समेत आसपास के क्षेत्र में धूमधाम के साथ मनाया गया। बहनों ने पूरी निष्ठा के साथ अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और भाइयों ने भी परम्परानुसार बहनों को रक्षा का वचन देते हुए उपहार दिए। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया, बुरी नजरों से आरती उतारी और फिर कलाई में रक्षा-सूत्र बांधा। रक्षा बंधन को लेकर बाजारों में खासी रौनक छाई रही।

डीपीएस बोकारो के कुणाल ने बढ़ाया झारखंड का गौरव

बोकारो : डीपीएस बोकारो के मेधावी छात्र कुणाल आनंद ने एक बार फिर अपने बौद्धिक कौशल का परिचय दिया है। नौवीं कक्षा के विद्यार्थी कुणाल ने सिंगापुर और एशियाई स्कूल गणित ओलंपियाड (एसएएसएमओ) में शानदार सफलता के साथ रजत पदक जीता है। स्टेट रैंक 1 तथा देश में रैंक 9 हासिल करते हुए सिल्वर मेडल और सर्टिफिकेट के साथ परफेक्ट स्कोरर अवार्ड उसने पाया है। इस अंतरराष्ट्रीय परीक्षा में कुणाल ने पूरे राज्य से अकेले कामयाबी पायी है। प्रतियोगिता में 39 देशों के लगभग 45 हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया था। डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने अपने विद्यालय के होनहार विद्यार्थी कुणाल की इस उपलब्धि को विद्यालय, राज्य तथा देश के लिए गौरवपूर्ण बताया। कुणाल ने हाल ही में उसे प्रतिष्ठित ग्लोबल हनीई ओपन गणित प्रतियोगिता (एचओएमसी) में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। इस प्रतियोगिता के जूनियर ग्रुप में उसने रैंक- 1 पायी है। इसके पहले उसने विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2023 में नेशनल टॉपर होने का गौरव भी पाया था।

चिन्मय विद्यालय में शिक्षकों की कार्यशाला आयोजित

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो में सीबीएसई, नई दिल्ली द्वारा निर्देशित कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के अंतर्गत कार्यशाला आयोजित की गई। विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा प्राचार्या शारदा महाजन एवं उप प्राचार्या अनिंदिता रॉय ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। शारदा महाजन ने सभी से परिचय प्राप्त किया, तत्पश्चात कार्यशाला के विषय पर संक्षिप्त ज्ञान का आदान-प्रदान किया। उन्होंने शिक्षकों को विद्यालय के संबंधन तथा सीबीएसई के मापदंडों के पालन की विस्तृत जानकारी दी। रिसोर्स पर्सन शारदा महाजन एवं अनिंदिता रॉय ने नई शिक्षा नीति के तहत सरल अध्यापन के कार्यक्रम के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में झारखण्ड, बिहार के 60 से अधिक प्राचार्य एवं शिक्षक शामिल हुए।

अब सूर्य पर चमकेगा बुलंदियों का सितारा : डॉ. लंबोदर

बोकारो : गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने चंद्रयान- 3 के सफलतापूर्वक चंद्रमा पर पहुंचने के बाद भारत द्वारा देश का पहला सूर्य मिशन आदित्य एल -1 के सफल प्रक्षेपण खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह निश्चित रूप में भारतीय वैज्ञानिकों की ऐतिहासिक उपलब्धि है और यह देश को गौरवान्वित करने वाला है। चंद्रमा के बाद अब सूर्य पर भारत की बुलंदियों का सितारा चमकेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय वैज्ञानिकों का दुनियाभर में बोलबाला हो रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में देश की प्रगति को लेकर अपनी अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है और हम सब भारतीय आज अपने वैज्ञानिकों पर गर्व महसूस कर रहे हैं। सूर्य मिशन आदित्य एल -1 की सफलता के लिए उन्होंने समस्त भारतवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

नए भारत का मंत्र: रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म

स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सभी भाषण देश के साथ जुड़ने पर केंद्रित रहे हैं। जब उन्होंने 10वीं बार लाल किले की प्राचीर से जनता को संबोधित किया, तो उन्होंने उन्हें 'परिवार जन' कहा, यह एक संकेत है कि वह भारतीयों को अपना परिवार मानते हैं। उनके भाषणों की औसत अवधि 83 मिनट रही है जो कि पिछले सभी भारतीय प्रधानमंत्रियों के बीच सबसे लंबी औसत अवधि है। इसके ज़रिए उन्होंने सरकार के प्रदर्शन, परिवर्तन में भारत की प्रगति और विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण के बारे में राष्ट्र के साथ संवाद करने की अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश की उपलब्धियों और कर्तव्य काल में हमारे कर्तव्यों को याद दिलाते उनके भाषण के कुछ मुख्य अंश नीचे प्रस्तुत हैं।

"डेमोग्राफी, डेमोक्रेसी और डाइवर्सिटी की 'त्रिवेणी' भारत के हर सपने को साकार करने का सामर्थ्य रखती है।"

\- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

77वें स्वतंत्रता दिवस भाषण की प्रमुख बातें

हमारे राष्ट्रीय नायकों के प्रति सम्मान में बढ़ोतरी
पीएम मोदी ने श्रद्धेय राष्ट्र निर्माताओं को याद किया।

विश्व-मित्र भारत
लोकतंत्र की जननी अब विश्व व्यवस्था का नेतृत्व करती है, क्योंकि भारत एक ऐसी नई स्थिरता का समर्थक है जो मानवता के लिए उपयोगी हो।

तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार, वंशवाद के पाप
इन पापों ने भारत के विचार को खतरे में डाला है, पीएम मोदी ने राष्ट्र के विकास के लिए इसे समाप्त करना सुनिश्चित किया।

1,000 सालों की पराधीनता ने भारत के विकास को अवरुद्ध किया,
हालांकि आने वाले हज़ार वर्ष अलग होंगे क्योंकि भारत नई ऊंचाइयों को छूएगा।

77वें स्वतंत्रता दिवस के संकल्प

- शहरी झुग्गियों, चॉल, किराये के मकानों तथा अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले शहरी गरीबों के लिए **बैंक ऋण पर ब्याज सब्सिडी।**
- सरकार ने गरीबों को उचित मूल्य पर दवा की बिक्री कर लाभ पहुंचाने के लिए **जन औषधि केंद्रों की संख्या** 10,000 से बढ़ाकर 25,000 करने की घोषणा की।
- सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों की **2 करोड़ महिलाओं** को **'लखपति दीदी'** के तहत सूक्ष्म उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु **कौशल विकास** प्रदान करने की घोषणा की।
- सरकार ने **15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी)** को कृषि-ड्रोन प्रदान करने की घोषणा की।
- **विश्वकर्मा योजना** के तहत 13 हज़ार करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय से 18 पारंपरिक व्यवसायों को पहली बार में कवर किया जाएगा।

77वें स्वतंत्रता दिवस भाषण में विकसित भारत के परिवर्तनों की संक्षिप्त प्रस्तुति

- **मुद्रा योजना** के तहत 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक ऋण, **8 करोड़ नए उद्यमी।**
- **जन औषधि केंद्रों के तहत 20 हज़ार करोड़ रुपये की बचत,** कम कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाली दवाइयाँ उपलब्ध।
- ईज़ ऑफ़ डूईंग बिज़नेस ने भारत को दुनिया का **तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम** बनने में सक्षम बनाया।
- **वन रैंक वन पेंशन** के तहत सैनिकों का सम्मान, सैनिकों को प्रदान किए 70 हज़ार करोड़ रुपये।
- केवल 5 वर्षों में **13.5 करोड़ लोग गरीबी से निकले,** नव-मध्यम वर्ग में प्रवेश।
- **केंद्र सरकार से राज्य सरकारों को मिलने वाली परिसंघीय सहायता को बढ़ावा,** वित्तीय हस्तांतरण 30 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 100 लाख करोड़ रुपये हुआ। यह **सहयोगात्मक संघवाद** के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाता है।
- **पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक घरों को मंज़ूरी।** किफायती आवास हेतु व्यय 90 हज़ार करोड़ रुपये से बढ़कर 4 लाख करोड़ रुपये हुआ।
- बजट की कमी जैसी अब कोई परेशानी नहीं, **स्थानीय विकास खर्च में वृद्धि** से होगा स्थानीय विकास सुनिश्चित, 70 हज़ार करोड़ रुपये से बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपये हुआ व्यय।
- जल जीवन मिशन के अंतर्गत **हर घर जल** सुनिश्चित करने के लिए **2 लाख करोड़** रूपये खर्च।

CBC 22201/13/0046/2324

षोडश कला परिपूर्ण हैं भगवान श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी : (7 सितम्बर, 2023) पर विशेष

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

सच्चिदानंद रूपाय विश्वोत्पत्यादि हेतवे,
ताप त्रय विनाशाय श्री कृष्णाय वयं नमः।।

हे सतचित्त आनंद! हे संसार की उत्पत्ति के कारण! हे दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों तापों का विनाश करने वाले महाप्रभु! हे श्री कृष्ण! आपको कोटि-कोटि नमन! भगवान विष्णु के आठवें अवतार श्री कृष्ण हैं। श्री कृष्ण का अवतरण महाभारत काल में हुआ था, जिसका प्रमाण आज भी कुरुक्षेत्र, द्वारका, वृंदावन, मथुरा जैसे प्राचीन नगरों में है। श्री कृष्ण को पूर्ण भगवान माना गया है। श्री कृष्ण सोलह कलाओं से परिपूर्ण हैं। श्री राम के धनुष-बाण के विपरीत उनके अधरों पर वंशी सजी है। वेशभूषा राजश्री है और कार्य राजधर्म पालन है। जहां अपहत सीता को श्री राम जंगल-जंगल ढूंढते हैं, वहीं श्री कृष्ण को हर स्त्री ढूंढ रही है। क्योंकि, उनके जैसा प्रेमी आज तक कोई नहीं हुआ है। गोकुल में गोपियां, मथुरा में रानियां सब श्रीकृष्ण के दर्शन हेतु प्यासी हैं। श्रीकृष्ण का चरित्र श्री राम के सर्वथा अलग है। यहां न तो वचनों, न ही सिद्धांतों को मानने की प्रतिबद्धता है। एक क्षण को कहा जा सकता है कि युग बदल गया, श्री राम त्रेता युग के हैं और श्री कृष्ण द्वापर युग के हैं। बदलते युग के साथ मूल्य भी बदल गए और भगवान को भी अपनी लीला को बदलना पड़ा।

पश्चिम में कहा जाता है- The Colour of truth is grey. अर्थात सच को देखने का अपना-अपना नजरिया है और हर कोई अपने दृष्टिकोण से सही है। उसी को सिद्ध करते श्री कृष्ण का सांवला रंग। कुछ भी सही-गलत नहीं होता है, बल्कि किस परिस्थिति के तहत उस कार्य को किया गया, वह उसे तय करता है।

कृष्ण नाम का शाब्दिक अर्थ काला है। काली का वर्ण कृष्ण है और कृष्ण का तो नाम ही कृष्ण है। अर्थात सावला रंग। गोरे या शुक्ल रंग के विपरीत सांवला रंग सहिष्णु एवं उदार है। जो दाग-धब्बे सफेद रंग में दूर से झलक उठते हैं, वह सांवले रंग में खप जाते हैं। परंतु फिर भी श्री कृष्ण को पूर्ण भगवान माना गया है। सोलह कलाओं से संपन्न। इसका रहस्य श्री कृष्ण के नाम में छिपा हुआ है।

कृषिर्भूवाचकः शब्दो नश्च निर्वृतिवाचकः।
तयोरैक्यं परं ब्रह्म कृष्ण इत्यभिधीयते।।
सच्चिदानन्दरूपाय कृष्णायाक्लिष्ट कर्मणे।
नमो वेदान्त वेद्याय गुरवे बुद्धिसाक्षिणे।।

'कृष्' शब्द सत्ता का वाचक है एवं 'न' शब्द आनन्द का। इन दोनों की जहां एकता है, वह सच्चिदानन्द परमब्रह्म ही श्री कृष्ण हैं। वे कृष्ण साक्षात परमात्मा हैं। सच्चिदानन्द स्वरूप हैं, जो वेदान्त के द्वारा जानने योग्य हैं, सारे जगत के गुरु हैं और सब की बुद्धि के साक्षी हैं।

वंदे कृष्णं जगतगुरु

किसी समय मुनियों को जिज्ञासा हुई कि सर्वश्रेष्ठ देवता कौन हैं? अपनी शंका का समाधान हेतु उन्होंने ब्रह्मा जी से पूछा- कौन सबसे श्रेष्ठ देवता हैं? किससे मृत्यु भी डरती है? किस तत्व को भली-भांति जान लेने से सब कुछ पूर्णतः ज्ञात हो जाता है? वह कौन है, जिसके द्वारा प्रेरित होकर यह विश्व आवागमन के चक्र में पड़ा रहता है?

मुनियों की जिज्ञासा शांत करते हुए ब्रह्मा जी कहते हैं कि सर्वश्रेष्ठ देव श्री कृष्ण हैं। उन गोविन्द से मृत्यु भी डरती है। गोपीजन वल्लभ के तत्व को भली-भांति जान लेने से सब कुछ पूर्णतः ज्ञात हो जाता है एवं स्वाहा की माया शक्ति से प्रेरित होकर ही जीव इस संसार में आता-जाता रहता है।

मुनियों ने पुनः प्रश्न किया कि श्री कृष्ण कौन हैं? ब्रह्मा जी के अनुसार श्री कृष्ण हमारे समग्र पापों, दोषों का हनन करने वाली शक्ति हैं। उनका शरणागत सभी पापों से मुक्त हो जाता है। गीता में भगवान कहते भी हैं-

आपूर्यमाणमचलप्रतिष्ठं समुद्रमापः
प्रविशन्ति यद्धत्।
तद्वत्कामा यं प्रविशन्ति सर्वे स
शान्तिमाप्नोति न कामकामी।।

जैसे समस्त नदियां सागर में मिल जाती हैं, वैसे ही सभी देवताओं को अर्पित पूजा-पाठ, साधना-प्रार्थना श्रीकृष्ण में समाहित हो जाता है।

क्रांतिकारी श्री कृष्ण

श्री कृष्ण का जन्म स्वयं में एक क्रांति की शुरुआत है। जेल में जन्म लिया है कृष्ण ने। सोचकर देखिए, श्री कृष्ण की भांति हम सब जन्म लेने के साथ ही संकीर्ण मानसिकता के जेल में कैद हो जाते हैं। हमारे चारों ओर अपेक्षाओं की दीवार खड़ी कर दी जाती है, जो हमारे विकास को रोक देती है। अर्द्धरात्रि में श्री कृष्ण का जन्म और जेल की बंद दरवाजों का खुल जाना इस बात का प्रतीक है कि मानवता को संकीर्णता से मुक्त करने के लिए भगवान स्वयं अवतरित हो गए हैं।

आजीवन कृष्ण रूढ़िवादी मानसिकता से संघर्षरत रहे हैं। उन्होंने इन्द्र की पूजा को समाप्त कर गोवर्द्धन पर्वत की पूजा की परंपरा शुरू की। एक प्रकार से यह वैदिक काल से हमारा प्रस्थान और हमें प्रकृति की ओर अभिमुख करने के प्रयास का आरंभ कहा जा सकता है। श्री कृष्ण ने कंस के आतंक से मथुरा को मुक्त किया। उन्होंने द्रोपदी के मान-सम्मान की रक्षा हेतु महाभारत युद्ध में सक्रिय भूमिका का निर्वाह किया और स्वयं श्री कृष्ण गोपाल की भूमिका में रहे। अर्थात गायों का रखवाला।

श्री कृष्ण के नाम का जाप करते रहने से मनुष्य पापों से मुक्त हो जाता है। यह सर्वविदित है कि मनुष्य पाप भयवश करता है।

श्री कृष्ण हमारे अन्दर स्थित भय का नाश कर देते हैं। मनुष्य मात्र को कम की ओर उन्मुख करने के लिए और उसके फल से जुड़ी आसक्ति को भंग करने के लिए श्री कृष्ण का गीता का ज्ञान पर्याप्त है।

क्लीं मंत्र का रहस्य

श्री कृष्ण का बीज मंत्र **क्लीं** है, जो नवार्ण मंत्र का हिस्सा है। क्लीं कामना परक मंत्र है और इसके जप करने से सभी कामनाएं पूर्ण होती हैं।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

बेहद चमत्कारी है अर्जुन की छाल, जानिए इसके रोज सेवन के फायदे

अर्जुन की छाल एक आयुर्वेदिक औषधि है, जिसका इस्तेमाल शरीर की कई परेशानियों को दूर करने के लिए किया जाता है। आयुर्वेद में मुख्य रूप से इसका इस्तेमाल काढ़े के रूप में किया जाता है। यह इंफेक्शन, संक्रमण, गले की खराश, सर्दी-जुकाम जैसी परेशानियों को दूर करने में आपकी मदद कर सकता है। इसके अलावा अर्जुन की छाल से स्वास्थ्य को कई लाभ हो सकते हैं। आइए जानते हैं अर्जुन की छाल से स्वास्थ्य को होने वाले असरदार फायदों के बारे में-

दिल को रखे स्वस्थ

अर्जुन की छाल का काढ़ा बनाकर पीने से आप अपने दिल को स्वस्थ रख सकते हैं। इसके सेवन से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम किया जा सकता है। साथ ही यह गुड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ा सकता है। इससे आपका दिल स्वस्थ हो सकता है।

कैंसररोधी गुण

अर्जुन की छाल में कैंसररोधी गुण होता है, जो कैंसर के जोखिमों को कम करने में आपकी मदद कर सकता है। नियमित रूप से अगर आप अर्जुन की छाल का काढ़ा पीते हैं तो आप कैंसर के जोखिमों को कम कर सकते हैं।

डायबिटीज करे कंट्रोल

अर्जुन की छाल का काढ़ा पीने से डायबिटीज को कंट्रोल कर सकते हैं। इसमें नैचुरल रूप से ब्लड शुगर के स्तर को कम करने का गुण होता है, जो इंसुलिन के स्तर को कंट्रोल करता है। अगर आप डायबिटीज कंट्रोल में रखना चाहते हैं तो अर्जुन की छाल का सेवन करें।

गले की खराश करे दूर

गले की खराश को दूर करने के लिए अर्जुन की छाल का सेवन करें। यह गले में कफ, सीने में बलगम की परेशानी को कम कर सकता है। अगर आप गले की खराश से परेशान हैं तो रोजाना एक कप अर्जुन की छाल का सेवन करें।

प्रस्तुति- शशि

अगस्त में बोकारो स्टील ने बनाए नए कीर्तिमान

सेलेबल स्टील उत्पादन में 18.1 फीसदी की वृद्धि, ईडी ने दी कर्मियों को बधाई

संवाददाता

बोकारो : अगस्त, 2023 के महीने में बोकारो स्टील प्लांट ने परिचालन में समग्र रूप से उत्कृष्टता के साथ नई ऊंचाइयों को छुआ है। प्लांट की सभी प्रमुख इकाइयों ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अगस्त, 2023 के दौरान वृद्धि दर्ज की है। पिछले वर्ष की तुलना में अगस्त 2023 के महीने में हॉट मेटल उत्पादन में 15 प्रतिशत, क्रूड स्टील उत्पादन में 11.7 की वृद्धि और सेलेबल स्टील उत्पादन में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अगस्त माह में कोक ओवन और कोल केमिकल्स, एसएमएस-न्यू तथा हॉट रोल्ड कॉइल फिनिशिंग जैसी प्रमुख उत्पादन इकाइयों ने उत्पादन लक्ष्य का 100 प्रतिशत हासिल किया, जबकि हॉट स्ट्रिप मिल ने अपने उत्पादन लक्ष्य का 99 प्रतिशत हासिल किया। कोल्ड रोलिंग मिल (सीआरएम- 3) की पीएलटीसीएम, बीएएफ और एसपीएम-क्कक्कइकाइयों में भी पहली बार उत्पादन लक्ष्य में 100% उपलब्धि हासिल की गई।

1 सितंबर को बीएसएल के अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी ने अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद के साथ इन विभागों का दौरा किया और इस्पातकर्मियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। इस अवसर पर इन विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि अगस्त, 2023 माह में एसएमएस न्यू विभाग में हीट ब्लोन, हीट कास्ट एवं क्रूड स्टील उत्पादन में नया दैनिक उत्पादन रिकॉर्ड और सीआरएम- 3 के पीएलटीसीएम एवं बीएएफ में भी नया दैनिक उत्पादन रिकॉर्ड बने। गत माह कोक ओवेन में 510 ओवन पुशिंग, ब्लास्ट फर्नेस में चार फर्नेस परिचालन के साथ रिकॉर्ड 3,88,956 टन हॉट मेटल उत्पादन, एसएमएस-न्यू से 80,972 टन क्रूड स्टील उत्पादन, एचएसएम से 3,73,230 टन एचआर कॉइल उत्पादन, सीआरएम- 3 से 66,131 टन सीआर सेलेबल सहित 3,67,989 टन सेलेबल स्टील डिस्पैच के साथ प्लांट ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ अगस्त महीने का उत्पादन हासिल किया है।

अगस्त माह में रिकॉर्डों की श्रृंखला में सीआरएम- 3 के पीएलटीसीएम, बीएएफ और एसपीएम - 3 सहित सेलेबल स्टील के उत्पादन में भी एक नया मासिक रिकॉर्ड बना। इन उपलब्धियों के अलावा, एसएमएस न्यू में कनवर्टर डी1 के लिए रिकॉर्ड लाइनिंग लाइफ 1717 हासिल की गई, जबकि कुछ प्रमुख टेक्नो-इकोनोमिक मानकों जैसे बी.एफ. प्रोडक्टिविटी, कोक रेट और विशिष्ट ऊर्जा खपत, बिजली खपत/टीबीएफ कोक, ग्रॉस सिंटर, हॉट मेटल, एचआर कॉइल इत्यादि में भी बेहतरी दर्ज की गई। पिछले माह के बेहतरीन प्रदर्शन के साथ बोकारो स्टील प्लांट चालू वित्त वर्ष के आने वाले महीनों में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करने के लिए तैयार है।

इधर, पर्यावरण अनुकूल इस्पात उत्पादन के लिए मिला प्लैटिनम अवार्ड

सस्टेनेबिलिटी श्रेणी में 14वें एक्सीड ग्रीन फ्यूचर अवार्ड 2023 में प्लैटिनम अवार्ड जीतकर बोकारो स्टील प्लांट ने अपने नाम एक और उपलब्धि जोड़ ली है। एक्सीड ग्रीन फ्यूचर अवार्ड सस्टेनेबल लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में उत्कृष्ट पहल करने वाली संस्थाओं को सस्टेनेबल डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जाता है। बी.एस.एल. को यह पुरस्कार लखनऊ में आयोजित 14वें एक्सीड ग्रीन फ्यूचर अवार्ड एंड कॉन्फ्रेंस 2023 के दौरान प्रदान किया गया। यह पुरस्कार बी.एस.एल. की ओर से मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएं) अतिरिक्त प्रभार मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) पी.के. बैसाखिया ने प्राप्त किया। यहां पुरस्कार लेकर लौटने पर आयोजित एक एक समारोह में श्री बैसाखिया ने उक्त अवार्ड अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी को समर्पित किया। समारोह में बोकारो स्टील प्लांट के वरीय अधिकारियों के साथ महाप्रबंधक (पर्यावरण एवं सस्टेनेबिलिटी) एन.पी. श्रीवास्तव और एजीएम (पर्यावरण एवं सस्टेनेबिलिटी) नितेश रंजन उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि स्टील एक पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद है, क्योंकि इसे अपने गुणों को खोए बिना कई बार पुनर्चक्रित किया जा सकता है। बीएसएल 2022-23 के दौरान ठोस अपशिष्टों का 100 फीसदी उपयोग कर रहा है, जो कि पूरे सेल में सबसे अधिक है और इसने बोकारो स्टील को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बना दिया है। गिट्टी के रूप में एलडी स्लैग का उपयोग, फ्लाई-ऐश एलडी स्लैग ईंटें, सीमेंट बनाने में ब्लास्ट फर्नेस स्लैग का उपयोग, इत्यादि की अभिनव पहल की गई है। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री तिवारी ने पूरे बी.एस.एल. परिवार को बधाई दी तथा बोकारो और आसपास के क्षेत्रों के सतत विकास के लिए बोकारो स्टील की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

सुनकर लिखने की सुंदर कला है श्रुतिलेख, होती है मेधा की परख : डॉ. अनिल सुलभ

विशेष संवाददाता

पटना : हिन्दी पखवारा के अंतर्गत शनिवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में विद्यार्थियों के लिए श्रुतिलेख-प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के पूर्व सम्मेलन अध्यक्ष डा. अनिल सुलभ ने कहा कि 'श्रुतिलेख', सुनकर लिखने की सुंदर कला है। इससे मेधा, एकाग्रता और श्रवण-क्षमता की भी परख होती है। इसमें वाचक को भी सावधान रहना होता है। उच्चारण-दोष से अनेक भूलें हो सकती हैं।

प्रतियोगिता में आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थी सम्मिलित किए गए थे। प्रतियोगिता आयोजन समिति के सदस्य कुमार अनुपम ने आचार्य शिवपूजन सहाय की एक कहानी के अंश का वाचन किया, जिसे सुनकर विद्यार्थियों ने लेखन किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के संयोजक अशोक कुमार, डॉ. मधु वर्मा, प्रो सुशील कुमार झा, बांके बिहारी साव, डॉ. नागेश्वर प्रसाद यादव समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अभिभावक एवं शिक्षक गण उपस्थित थे।

प्रतियोगिता में 'बाल्डविन सोफिया' स्कूल, बोरिंग रोड, पटना, 'प्रभु तारा' उच्च विद्यालय, गुलजार बाग, संत जौंस पब्लिक हाई स्कूल, चानमारी रोड, पटना, 'किलकारी बिहार', बाल भवन, सैदपुर, पटना, आचार्य सुदर्शन सेंट्रल स्कूल, कंकड़बाग, पटना के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सम्मेलन में लगाए गए पुस्तक चौदस मेले की विभिन्न दीर्घाओं से विद्यार्थियों और अभिभावकों ने पुस्तकों की भी खरीद की। पुस्तक मेले में 'राष्ट्रीय पुस्तक न्यास' समेत विभिन्न प्रकाशकों की पुस्तकें 10 से 50 प्रतिशत तक की छूट पर मिल रही है। स्मरणीय है कि शुक्रवार को हिन्दी पखवारा के साथ 'पुस्तक चौदस मेला' का भी उद्घाटन हुआ था और सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद एवं बिहार के उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ समेत अतिथियों ने पुस्तकें खरीद कर इसका शुभारंभ किया था।

पखवारा के तीसरे दिन काव्य-कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें पद्य के विविध रूपों, छंद, अलंकार, मात्राओं की गणना आदि सभी आवश्यक तत्त्वों पर विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण दिए।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
गड़े हैं जंगल में सब रत्न
लोग करें दिन-रात प्रयत्न
कैसे इनको प्राप्त करेंगे
वन को काट समाप्त करेंगे
इन अज्ञानी मनुपुत्रों ने
दी है यातना
वन को बारम्बार...जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
वन के नीचे बहुत अयस्क
मनुज कहे हम हुए वयस्क
हम तो खनि-कर्म करेंगे
वन उजड़ेंगे तो उजड़ेंगे
तुच्छ सोच यह आत्मघात की
त्यागें हम सब
ऐसे कलुष विचार...जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(क्रमश:)

कुमार मनीष अरविन्द

पेज- एक का शेष

चरम पर आरोप-प्रत्यारोप...

के माहौल को समाप्त करने के लिए एनडीए प्रत्याशी यशोदा देवी के समर्थन में मतदान की अपील की। इसके बाद जरीडीह, बाराडीह, खकसावा, करमा, बहियार, बरवाडीह सहित दर्जनों गांवों में जनसंपर्क अभियान के दौरान श्री मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार पैसे और परिवार के लिए सत्ता में बने रहना चाहती है। उसे राज्य के गरीब जनता, बेरोजगारों, किसानों, बहन-बेटियों,आदिवासी दलित पिछड़े किसी की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा अटल बिहारी बाजपेई ने झारखंड के आदिवासी, मूलवासी की भावनाओं का सम्मान करते हुए अलग राज्य की स्थापना की थी, लेकिन हेमंत सरकार ने राज्य को लुटेरों, बिचौलियों, दलालों के हाथों गिरवी रख दिया।

दो धाराओं के बीच की है लड़ाई : शाही

कंजकिरो की सभा को संबोधित करते हुए भवनाथपुर के विधायक भानु प्रताप शाही ने कहा कि डुमरी में दो धाराओं के बीच पैसा एवं जनता के बीच की लड़ाई है। कहा कि जिस विधानसभा का विधायक बाहुबली हो, सरकार में शामिल होकर सरकार को चलाता हो और खुद को टाईगर भी कहता हो, उसके विधानसभा के अंतर्गत ऊपरघाट की नौ पंचायतों को मिलाकर आजतक एक प्रखंड निर्माण करने का कार्य तक नहीं किया गया।

झामुमो-कांग्रेस ने राज्य का नाश कर डाला : डॉ. रवींद्र

पूर्व सांसद सह- पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रवींद्र कुमार राय ने सभा में कहा कि भाजपा ने झारखंड राज्य निर्माण का कार्य किया और झामुमो, कांग्रेस एवं राजद ने इस राज्य का नाश कर डाला है। मौके पर यशोदा देवी ने चुनाव जीतने पर डुमरी की तकदीर और तस्वीर बदल देने का दावा किया। सभा को बेरमो के पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बाटुल, खिजरी के पूर्व विधायक राम कुमार पाहन, विश्वनाथ महतो, पार्वती देवी, शांति भगत, फूल कुमारी आदि ने भी संबोधित किया। प्रारंभ में स्वागत भाषण बोकारो जिला भाजपाध्यक्ष भरत यादव तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन भैरव महतो ने किया।

ब्रह्माण्ड-विजय की ओर भारत

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : चंद्रयान-3 की सफलता से उत्साहित इसरो अब सूर्य मिशन में सफलता पाने की तैयारी में जुट गया है। इसरो ने शनिवार को सूर्य का अध्ययन करने के लिए आदित्य एल-1 को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया। यह लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से की गई। इस मिशन में 7 पेलोड लगे हैं, जिसमें से 6 भारत में बने हैं। आदित्य एल- 1 करीब 15 लाख किलोमीटर का सफर तय करेगा। यह मिशन भारत के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि सूर्य की स्टडी करने के लिए भारत का यह पहला मिशन है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक आदित्य एल- 1 को सूर्य की कक्षा में पहुंचने में लगभग 125 दिनों का समय लगेगा। इस मिशन को इसरो के सबसे भरोसेमंद रॉकेट- पीएसएलवी के साथ लॉन्च किया गया है। वैसे तो अभी तक अमेरिका समेत कई देशों ने सूर्य के अध्ययन के लिए सैटेलाइट भेजे हैं, लेकिन इसरो का आदित्य एल-1 अपने आप में अनोखा है। चंद्रयान-3 की सफलता और आदित्य एल-1 के प्रक्षेपण के साथ ही भारत अब ब्रह्माण्ड विजय की ओर निकल पड़ा है। यह देश के लिए गौरव का क्षण है।

125 दिनों का सफर शुरू

लॉन्चिंग के थोड़ी ही देर बाद शनिवार को ही आदित्य एल-1 पीएसएलवी-एक्सएल रॉकेट से अलग होकर अपनी यात्रा पर निकल गया। यहां से इसकी 125 दिन की यात्रा शुरू हो गई। यहां से यह धरती के चारों तरफ 16 दिनों तक पांच ऑर्बिट मेन्यूवर करके सीधे धरती की गुरुत्वाकर्षण वाले क्षेत्र यानी स्फीयर ऑफ इंफ्लूएंस (एसओआई) से बाहर जाएगा।

पीएम मोदी ने दी बधाई

आदित्य एल- 1 मिशन के चारों चरण सफल हो गए हैं। इसे भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस मिशन को लेकर इसरो को बधाई दी है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, 'चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भारत ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा जारी रखी है। भारत के पहले सौर मिशन, आदित्य -एल 1 के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो के हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई। संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए ब्रह्मांड की बेहतर समझ विकसित करने के लिए हमारे अथक वैज्ञानिक प्रयास जारी रहेंगे।'

वैज्ञानिकों ने की पूजा-अर्चना

आदित्य एल-1 मिशन की लॉन्चिंग से पहले इसरो चीफ के साथ वैज्ञानिकों की पूरी टीम ने तिरुपति में पूजा-अर्चना की। इसरो चीफ एस सोमनाथ के साथ वैज्ञानिकों की पूरी टीम तिरुपति पहुंची थी और तिरुपति बालाजी मंदिर में मिशन की सफलता के लिए उन्होंने प्रार्थना की।

इसके पहले इसरो की टीम ने आदित्य मिशन की सफलता के लिए आंध्र प्रदेश के चेंगलम्मा परमेश्वरी मंदिर में भी विशेष पूजा की थी। मिशन चंद्रयान की तरह इसरो के मिशन सूर्ययान को लेकर भी पूरे देश में उत्साह दिख रहा है। देश के अलग-अलग हिस्सों में आदित्य एल-1 मिशन की सफलता के लिए पूजा-अर्चना की जा रही है।

क्या करेगा आदित्य एल 1?

इसरो का आदित्य एल-1 पहला सूर्य मिशन है, जो एल-1 प्वाइंट तक जाएगा। पृथ्वी से इस जगह की दूरी 15 लाख किलोमीटर है। आदित्य एल-1 सूर्य की किरणों का अध्ययन करेगा और यहां 5 साल 2 महीने तक रहेगा। इस काम में 378 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। उल्लेखनीय है कि सूरज पृथ्वी के सबसे नजदीक का ग्रह है। अन्य ग्रहों के मुकाबले सूरज का अध्ययन संभव है। इस मिशन के बाद आकाशगंगा के बाकी तारों की स्टडी हो सकेगी और दूसरी गैलेक्सी के स्टार्स की जानकारी संभव है। सूरज की दूरी करीब 15 करोड़ किलोमीटर है और इसका तापमान 10 से 20 लाख डिग्री सेल्सियस है। इसकी उम्र 4.5 अरब साल है।

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।

E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631

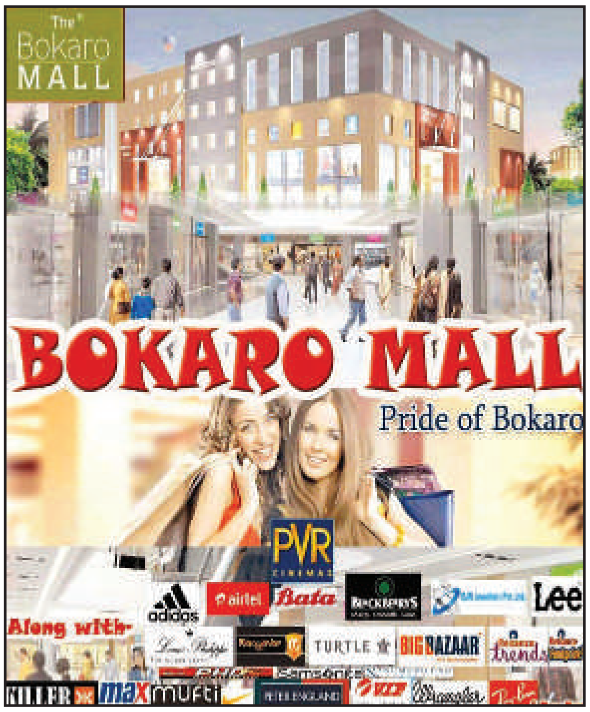

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)